UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)
एम०ए० प्रथम वर्ष (सत्रीय कार्य)

(**जमा करने की अन्तिम तिथि**:) 15 **मई** 2013

कोर्स शीर्षक: मध्यकालीन कविता **कोर्स कोड**: **एम०ए०एच०एल०-**102

ग्रीष्मकालीन सत्र – 2012–13 **अधिकतम अंक** –40

भाग 'क' में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित है, तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

निम्न की संक्षेप में चर्चा कीजिए: 5x4=20

1. विशिष्टाद्वैतवाद सिद्धान्त का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
2. निर्गुण भक्तिकाल की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।
3. सूफी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।
4. रीतिकाल के नामकरण की समस्या पर प्रकाश डालिए।
5. रीतिसिद्ध कवि के रूप में बिहारी का मूल्यांकन कीजिए।
6. घनांनद काल में चित्रित प्रभाभिव्यंजना की प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए
7. राम काव्य की प्रमुख विशेषता उद्घाटित कीजिए।
8. कृष्ण काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

भाग 'ख' में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित है। **10x2=20**

1. रीतिकालीन कविता का आलोचनात्मक संदर्भ प्रस्तुत कीजिए।
2. भक्ति के उदय को स्पष्ट करते हुए भक्ति संबंधी विभिन्न दार्शनिक सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
3. भक्तिकाल की विशेषताएँ स्पष्ट करते हुए इसका महत्व निरूपित कीजिए।
4. भक्तिकालीन कविता की विविध शाखाओं का वर्गीकरण करते हुए उसकी प्रवृत्तिगत विशेषता स्पष्ट कीजिए।